SET-2

Series BVM/5

कोड नं.
Code No. 29/5/2

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *11*

अपनी सभ्यता का जब मैं अवलोकन करता हूँ तब लोगों को काम के संबंध की उनकी विचारधारा के अनुसार विभाजित करने लगता हूँ । एक वर्ग में वे लोग आते हैं, जो काम को उस घृणित आवश्यकता के रूप में देखते हैं, जिसकी उनके लिए उपयोगिता है, सिर्फ़ धन हासिल करना । वे अनुभव करते हैं कि जब दिनभर का काम समाप्त हो जाता है, तब वे जीना सचमुच शुरू करते हैं और अपने आप में होते हैं । जब वे काम में लगे होते हैं तब उनका मन भटकता रहता है । काम को वे विशेष महत्त्व देने का भी विचार नहीं करते, क्योंकि आमदनी के लिए ही उन्हें सिर्फ़ काम की आवश्यकता है । दूसरे वर्ग के लोग अपने काम को आनंद और आत्म परितोष पाने के एक सुयोग के रूप में देखते हैं । वे धन इसलिए कमाना चाहते हैं ताकि अपने काम में अधिक एकनिष्ठता के साथ समर्पित हो सकें । जिस काम में वे संलग्न होते हैं उसकी पूजा करते हैं ।

पहले वर्ग में केवल वे लोग ही नहीं आते, जो बहुत कठिन और अरुचिकर काम करते हैं । उसमें बहुत से संपन्न लोग भी सम्मिलित हैं, जो वास्तव में कोई काम नहीं करते हैं । धनवान जो अपनी आमदनी पर निष्प्रयोजन जीता है, वह आदमी जो बिना श्रम किए धन पाने की आशा में जुआ खेलता है, वह नारी जो केवल घर-गृहस्थी का आराम देह जीवन पाने के लिए विवाह करती है – ये सभी धन को कुछ ऐसा समझते हैं, जो उन्हें काम करने के अभिशाप से बचाता है । इसके सिवाय कि उनका भाग्य अच्छा रहा है, अन्यथा तो वे उन कारखानों के मज़दूरों की तरह ही हैं, जो अपने दैनिक काम को जीवन का सबसे बड़ा अभिशाप समझते हैं । उनके लिए काम तो कोई घृणित वस्तु है और धन वांछनीय, क्योंकि काम से छुटकारा पाने के साधन का वह प्रतिनिधित्व करता है । यदि काम को वे घटा या हटा सकें और फिर भी धन पा जाएँ तो खुशी से यही करेंगे । जो लोग काम में अनुरक्त हैं, उसके प्रति समर्पित हैं ऐसे कलाकार, विद्वान और वैज्ञानिक दूसरे वर्ग में सम्मिलित हैं । वस्तुओं को बनाने और खोजने में वे हमेशा दिलचस्पी रखते हैं । उसके अंतर्गत परंपरागत कारीगर भी आते हैं, जो किसी वस्तु को रूप देने में गर्व और आनंद का वास्तविक अनुभव करते हैं । अपनी मशीनों को ममत्व-भरी सावधानी से चलाने और उनका रख-रखाव करने वाले कुशल मिस्त्री और इंजीनियर इसी वर्ग से संबंधित हैं ।

(क) काम की दृष्टि से लेखक की क्या विचारधारा है ? *2*

(ख) काम के बारे में पहले वर्ग के लोगों की धारणा क्या होती है ? *2*

(ग) दूसरे वर्ग के लोगों के बारे में लेखक की मान्यता क्या है ? *2*

(घ) लेखक ने उबाऊ और कठिन काम करने वालों के अतिरिक्त अन्य किन लोगों को पहले वर्ग में माना है और क्यों ? *2*

(ङ) काम में आनंद, काम के प्रति लगाव रखने वाले वर्ग में कौन-कौन लोग आते हैं ? *2*

(च) गद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

एक सुनहली किरण उसे भी दे दो
भटक रहा जो अँधियाली के वन में,
लेकिन जिसके मन में,
अभी शेष है चलने की अभिलाषा
एक सुनहली किरण उसे भी दे दो ।
मौन कर्म में निरत,
बद्‌ध पिंजर में व्याकुल,
भूल गया जो दुख जतलाने वाली भाषा
उसको भी वाणी के कुछ क्षण दे दो ।
तुम जो सजा रहे हो
ऊँची फुनगी पर के ऊर्ध्वमुखी
नव पल्लव पर आभा की किरणें,
तुम जो जगा रहे हो
दल के दल कमलों की आँख के
सब सोये सपने,
तुम जो बिखराते हो भू पर
राशि-राशि सोना
पथ को उद्‌भासित करने
एक किरण से
उसका भी माथा उद्‌भाषित कर दो ।
एक स्वप्न उसके भी सोए मन में
जागृत कर दो
एक सुनहली किरण उसे भी दे दो ।

(क) आपके विचार से सुनहली किरण का आशय क्या हो सकता है ?

(ख) कवि सुनहली किरण किसे देने का अनुरोध कर रहा है ?

(ग) कवि वाणी के क्षण किसके लिए चाहता है ? क्यों ?

(घ) चुपचाप काम में लगे व्यक्ति के लिए कवि ने क्या चाहा है ? क्यों ?

(ङ) आशय स्पष्ट कीजिए :

एक स्वप्न उसके भी सोए मन में
जागृत कर दो ।

अथवा

ओ नए साल, कर कुछ कमाल, जाने वाले को जाने दे,
दिल से अभिनंदन करते हैं, कुछ नई उमंगें आने दे ।
आने जाने से क्या डरना, ये मौसम आते-जाते हैं,
तन झुलसे शिखर दुपहरी में, कभी बादल भी छा जाते हैं ।
इक वह मौसम भी आता है, जब पत्ते भी गिर जाते हैं,
हर मौसम को मनमीत बना, नवगीत खुशी के गाने दे ।
जो भूल हुई जा भूल उसे, अब आगे भूल सुधार तो कर,
बदले में प्यार मिलेगा भी, वह ज़मीं ज़रा तैयार तो कर,
भले जीत का जश्न मना, पर हार को भी स्वीकार तो कर
मत नफरत के शोले भड़का, बस गीत प्यार के गाने दे ।
इस दुनिया में लाखों आए और आकर के वे चले गए,
कुछ मालिक बन कर बैठ गए, कुछ माल पचाकर चले गए,
कुछ किलों के अंदर बंद रहे, कुछ किले बनाकर चले गए,
लेकिन कुछ ऐसे भी आए, जो शीश चढ़ाकर चले गए,
उन वीरों के पद-चिह्नों पर अब 'साथी' सुमन चढ़ाने दे ।

(क) किसका अभिनंदन किया जा रहा है ? क्यों ?

(ख) गरमी और पतझड़ के मौसमों से क्या सीख ली जा सकती है ?

(ग) प्यार के लिए जमीन तैयार करने से क्या तात्पर्य है ?

(घ) दुनिया में आए लाखों लोगों को कवि किन दो वर्गों में बाँटता है ?

(ङ) 'जो शीश चढ़ाकर चले गए' – कथन से कवि का क्या आशय है ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *8*

(क) आतंकवाद – एक समस्या

(ख) जल ही जीवन है

(ग) क्यों पढ़ूँ मैं हिन्दी

(घ) महिलाओं का सम्मान सभ्यता का प्रथम लक्षण

4. हिन्दी समाचार-पत्रों में प्रयुक्त होने वाली भाषा के गिरते स्तर के बारे में किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

आपके गाँव और उससे सटे राजमार्ग पर वन-महोत्सव पर धूमधाम से लगाए गए वृक्ष देख-रेख के अभाव में सूखने लगे हैं । उद्यान विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को तुरंत समुचित कदम उठाने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) भारत में आकाशवाणी (ऑल इंडिया रेडियो) तथा दूरदर्शन का प्रारंभ कब हुआ ?

(ख) मुद्रित तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में से आप किसे अच्छा मानते हैं और क्यों ? दो कारण लिखिए ।

(ग) ऐंकर बाइट किसे कहते हैं ?

(घ) जनसंचार माध्यम के रूप में रेडियो की लोकप्रियता के दो कारण लिखिए ।

(ङ) समाचार शब्द की परिभाषा लिखिए ।

6. 'आधुनिक जीवन में फैशन : विकल्प नहीं आवश्यकता है ।' — विषय पर एक फ़ीचर लिखिए । *3*

अथवा

'चुनाव-प्रचार का एक दिन' – विषय पर एक आलेख लिखिए ।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

अरुण यह मधुमय देश हमारा ।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा ।
सरस तामरस गर्भ विभा पर, नाच रही तरुशिखा मनोहर ।
छिटका जीवन हरियाली पर, मंगल कुंकुम सारा ।
लघु सुरधनु में पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे ।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए, समझ नीड़ निज प्यारा ।

अथवा

कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि,
मूदि रहए दु नयान
कोकिल-कलरव, मधुकर-धुनि सुनि ।
कर देइ झाँपड़ काना ।
माधव सुन-सुन वचन हमारा ।
तुम गुण सुंदरि अति भेल दूबरि
गुनि-गुनि प्रेम तोहारा ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2=4*

(क) 'वसंत' कविता में कवि की प्रमुख चिंता क्या है ? क्यों ?

(ख) तुलसीदास के आधार पर भरत के प्रति राम के प्रेम पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'जायसी' के अनुसार अगहन मास में विरहिणी की वेदना स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'एक कम' कविता के आधार पर लिखिए कि स्वतंत्रता पाने के लिए भारत में किस प्रकार के लोग कैसे मालामाल हो गए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पद्यांशों का काव्य-सौंदर्य लिखिए : *3×2=6*

(क) कबहुँ समुझि वनगमन राम को रहि चकि चित्रलिखी सी ।
तुलसीदास वह समय कहे तें लागति प्रीति सिखी सी ।।

(ख) चोट खाकर राह चलते
होश के भी होश छूटे,
हाथ जो पाथेय थे, ठग-
ठाकुरों ने रात लूटे;
कंठ रुकता जा रहा है,
आ रहा है काल देखो ।

(ग) चलती सड़क के किनारे लाल बजरी पर चुरमुराए पाँव तले
ऊँचे तरुवर से गिरे
बड़े-बड़े पियराए पत्ते

(घ) ऐसो हियो हितपत्र पवित्र जो आन-कथा न कहूँ अवरेख्यौ ।
सो घन-आनँद जान अजान लौं टूक कियौ पर बाँचि न देख्यौ ।।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *5*

जरा-सी आहट पाते ही वे एक साथ सिर उठाकर चौंकी हुई निगाहों से हमें देखती हैं – बिलकुल उन युवा हिरणियों की तरह, जिन्हें मैंने एक बार कान्हा के वन्यस्थल में देखा था । किन्तु वे डरतीं नहीं, भागती नहीं, सिर्फ़ विस्मय से मुसकुराती हैं और फिर सिर झुकाकर अपने काम में डूब जाती हैं । यह समूचा दृश्य इतना साफ़ और सजीव है – अपनी स्वच्छ मांसलता में इतना संपूर्ण और शाश्वत – कि एक क्षण के लिए विश्वास नहीं होता कि आने वाले वर्षों में सब कुछ मटियामेट हो जाएगा ।

अथवा

आखिर इस मूर्ति में कौन-से सुरखाब के पर लगे थे जो दो रुपए में मिली और दस हज़ार रुपए उस पर न्योछावर कर फेंके जा रहे हैं । संभव है कि वे सोचते हों कि मूर्ति में तो केवल सिर नहीं है, परन्तु लेखक की बातें उससे भी एक पग आगे बेसिर पैर की हैं । पर बात ऐसी नहीं है । यह मूर्ति उन बोधिसत्त्व की मूर्तियों में है जो अब तक संसार में पाई गई मूर्तियों में सबसे पुरानी है । यह कुषाण सम्राट कनिष्क के राज्यकाल के दूसरे वर्ष स्थापित की गई थी । ऐसा लेख उस मूर्ति के पदस्थल पर उत्कीर्ण है ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×2=6*

(क) प्रेमघन की छाया स्मृति के आधार पर लिखिए कि हिन्दी और उर्दू के बारे में रामचंद्र शुक्ल ने क्या स्पष्ट करना चाहा है ।

(ख) हरगोबिन क्या संदेश लेकर चला था ?

(ग) 'यथास्मै रोचते विश्वम्' के आलोक में संक्षेप में लिखिए कि साहित्य को समाज का दर्पण कैसे माना जा सकता है ।

(घ) असगर वजाहत की जो लघुकथा आपको अच्छी लगी हो, उसका केंद्रीय भाव लिखिए ।

12. रामविलास शर्मा अथवा हज़ारी प्रसाद द्विवेदी में से किसी एक का जीवन-परिचय लिखकर उनकी भाषागत विशेषताएँ लिखिए । *5*

अथवा

जयशंकर प्रसाद अथवा विष्णु खरे का जीवन-परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताएँ लिखिए ।

13. 'आरोहण' कहानी के आधार पर रूपसिंह के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालिए । *4*

अथवा

"बिसनाथ मान ही नहीं सकते कि बिस्कोहर से अच्छा कोई गाँव हो सकता है और बिस्कोहर से ज्यादा सुंदर कहीं की औरत हो सकती है" – लेखक की इस मान्यता के कारणों पर प्रकाश डालिए ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4×2=8*

(क) 'आरोहण' कहानी के आधार पर पहाड़ों के जन-जीवन के संघर्ष का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(ख) 'सूरदास' कौन था ? उसकी झोंपड़ी क्यों जलाई गई ?

(ग) 'अपना मालवा...' पाठ का लेखक आज की सभ्यता को विनाश की अपसभ्यता क्यों मानता है ?

(घ) 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर भारतीय गाँवों की प्रमुख विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए ।